॥ वन्देमातरम् ॥

संस्कार

सहयोग

सेवा

सम्पर्क

समर्पण

भारत विकास परिषद्

राजस्थान (मध्य) प्रान्त

का मुख पत्र

वर्ष 2019-20

अंक जनवरी-मार्च

नई दिशा

सामूहिक सरल विवाह का आयोजन

अजमेर मुख्य

केकड़ी

स्वच्छ - स्वस्थ - समर्थ - संस्कारित भारत

अध्यक्षीय लेखनी

आदरणीय बन्धुओं,

नव संवत्सर 2077 की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं । नव संवत्सर आप सभी को सपरिवार मंगलमय हो और आप हमेशा ऊर्जावान रहकर परिषद् के उद्देश्यों को नए शिखर पर पहुंचाएँ। वर्ष 2019-2020 में प्रांत व शाखा के दायित्व धारियों के कुशल नेतृत्व व आप सभी समर्पित सदस्यों के सकारात्मक सहयोग से राजस्थान मध्य प्रांत ने सभी प्रकल्पों में नए मापदंड, विशेषकर सदस्यता वृद्धि में लक्ष्य से कहीं अधिक वृद्धि करते हुए रीजन ही नहीं देश में विशेष स्थान बनाया है। आशा है यह सकारात्मक गति इस वर्ष भी आप सभी के सहयोग व प्रांत के मार्गदर्शन में निरंतर जारी रहेगी। इस वर्ष केंद्र व रीजन द्वारा निर्देशित सभी प्रकल्प के पूर्ण लक्ष्य प्राप्ति में आप हमेशा सहयोग करेंगे ऐसी आशा है। प्रत्येक सफलता की शुरुआत एक कदम उठाने से ही होती है , हमारा लक्ष्य स्पष्ट हो इरादे साफ हो एवं प्रयास अथक हो तो सफलता निश्चित ही हमारे कदम चूमती है । किंतु हमें इस पर आत्ममुग्ध नहीं होना है, अभी मीलों चलना है, यात्रा लंबी है। इस नववर्ष पर वैश्विक संकट को देखते हुए देश की बदलती परिस्थितियों समाज की परिवर्तित आवश्यकताओं को देखते हुए परिषद के सभी सदस्यों को व्यापक दृष्टिकोण रखते हुए जैसा कि भगवत गीता के इस संदेश में 'संसार से जो सुख सुविधा हमें प्राप्त हुई है वह अपने को आरामदायक बनाने के लिए नहीं है अपितु यह उन्हें सुखी बनाने के लिए हैं जो आरामदायक स्थिति में नहीं है' इस पर खरा उतरना है , सेवा के क्षेत्र में मध्य प्रांत अपने कार्यों से प्रभावी व सार्थक स्वयंसेवी संगठन सिद्ध होकर संस्कारित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना पूरा योगदान देने में सफल होगा । परिषद् देश के नगर-नगर में अपनी सेवा एवं संस्कार की सुगंध फैला रहा है , चूंकि हम समाज के प्रबुद्ध व विशिष्ट जन हैं, समाज हमारी ओर देखता है, हमारा अनुसरण करता है। वर्तमान परिपेक्ष को देखते हुए आप अपना और अपने परिवार का अतिरिक्त ध्यान रखते हुए कुछ समय के लिए सार्वजनिक रूप से मिलने से बचें, सेवा कार्य उचित मापदंडों के अनुसार ही करें। आप सभी परिवार सहित मंगलमय रहें। ऐसा विश्वास है कि 2077 में आपका आशीर्वाद मार्गदर्शन स्नेह प्यार पूर्व की भांति ही मिलता रहेगा। **जो कर्म को फल के लिए करता है , वास्तव में ना उसे फल मिलता है और नहीं वह वह कर्म कर पाता है।**

कैलाश अजमेरा
प्रान्तीय अध्यक्ष
9414115724

सम्पादकीय.....

आदरणीय बन्धुओं,

नव संवत्सर 2077 की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं । नव संवत्सर आप सभी के लिए सपरिवार मंगलमय हो। देश पर संकट की इस घड़ी में हमें सुरक्षित रहना है और अपने घरों में रहते हुए कोविड-19 वायरस से देश को बचाना है। क्योंकि विश्व में सबसे सुरक्षित जगह आपका अपना घर है। अत: घर पर रहें, सुरक्षित रहें। देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इस बार का नई दिशा का अंक PDF फाईल में प्रस्तुत है। परिस्थितियाँ समय पर सही हुई तो प्रिन्ट कॉपी भी आपके पास पहुँचाई जाएगी।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

अरुण पारीक
प्रान्तीय संयुक्त महासचिव
9414240751

महासचिव की कलम से ....

नव संवत्सर 2077 की हार्दिक शुभकामनाएं। यह नव संवत्सर आपके जीवन को सुखी-स्वस्थ-समृद्ध- खुशहाल बनाएं और आप सदैव राष्ट्र समर्पित रहें।

आप सभी समर्पित कार्यकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों के परिणाम स्वरूप, आपका प्रांत वर्ष 2019-20 में प्रकल्पों के श्रेष्ठ क्रियान्वयन, नवाचार और संगठन के मूल्यवान आयामों को विकसित करने में सफल रहा है। विशेष रुप से इस वर्ष महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे कार्यक्रम मातृशक्ति की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही, साथ ही एक शाखा एक गांव प्रकल्प में शाखाओं के प्रयास भी सराहनीय रहें। अंतर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से परिषद के संकल्प को युवा पीढ़ी में ले जाने का प्रयास भी प्रशंसनीय रहा। इस वर्ष से प्रारंभ भारत को जानो ऑनलाइन प्रतियोगिता को युवाओं के प्रति हमें अपना कर्तव्य मानते हुए ओर अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

गणतंत्र दिवस पर प्रांत की कुछ शाखाओं और सदस्यों को तहसील/उपखंड/जिला स्तर पर प्रशासन द्वारा सेवा और संस्कार के कार्यों के लिए सम्मानित किया गया, सभी सम्मानित शाखा व सदस्यों को हार्दिक बधाई। आपके कार्यों की सराहना निश्चय ही परिषद के प्रकल्पों का सार्थक तरीके से समाज के हर वर्ग तक पहुंचने का प्रमाण है।

सत्र के अंतिम माह में कोरोना वायरस भयभीत कराने वाला रहा, परंतु विपरीत परिस्थितियों में सकारात्मक भाव के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर जनता कर्फ्यू को सफल बनाना और ताली/थाली/घंटी/शंख बजाकर सेवाकर्मी बंधुओ का अभिनंदन करना, हम सबके लिए अद्भुत व अविश्वसनीय अनुभव रहा। भीलवाड़ा के भयावह समय में परिषद सदस्यों द्वारा दैनिक मजदूरी करने वाले परिवारों के लिए भोजन पैकेट की व्यवस्था करना संगठन का संकल्प दर्शाता है। हमें परिषद के व्हाट्सएप ग्रुप में अनाधिकृत समाचार और अनावश्यक ऑडियो/वीडियो के प्रेषण से बचना चाहिए। संपूर्ण सतर्कता, जागरूकता और स्वअनुशासन से निश्चय ही हमें इस महामारी से निजात मिलेगी।

वर्ष 2020-21 डॉ. सूर्यप्रकाश जयंती शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जाना है। अत: शाखाएं अपने वर्ष पर्यंत कार्यक्रम कैलेंडर में डॉ. सूर्य प्रकाश जी के जीवन, उनके विचार, उद्देश्य, ध्यय और व्यक्तित्व का परिचय करने वाले कार्यक्रम को सम्मिलित करें। परिषद की स्थापना दिवस पर शाखाओं के कार्यक्रमों में समरूपता हेतु इस वर्ष **''प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह''** का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम सार्वजनिक कार्यक्रम के रूप में समाज से जुड़ने का एक अच्छा माध्यम बनेगा।

शाखाओं से सत्र 2020-21 के लिए सदस्यता नवीनीकरण के सुखद समाचार प्राप्त हो रहे हैं। सदस्यता नवीनीकरण के साथ-साथ वर्तमान सदस्यता में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखते हुए, हमें संगठन को मजबूत करना है। शहर के हर क्षेत्र/वार्ड से प्रभुत्व बुद्धिजीवी व्यक्ति परिषद् का सदस्य अवश्य हो ऐसा हमें प्रयास करना है। ऐसा शहर जहां जनसंख्या एक लाख से अधिक है वहां एक से अधिक परिषद की शाखा हो या सदस्यता 200 हो ऐसा संकल्प हमें करना है। आप सभी के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से ही जिले के हर तहसील स्तर पर परिषद की शाखा की स्थापना की जा सकेगी।

शाखाओं के संचालन व पारदर्शिता में मासिक बैठक पुस्तिका और लेखा पुस्तिका का विशेष महत्व रहता है। निश्चय ही सभी शाखाएं मासिक बैठक पुस्तिका एवं लेखा पुस्तिका यथासंभव व्यवस्थित रखती है। प्रांतीय, रीजनल और राष्ट्रीय दायित्वधारी शाखा प्रवास के समय इन पुस्तिकाओं का अवलोकन एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर हम सभी का सहयोग करेंगे।

खुद को रोज तराशोगे, तभी खुद के हुनर का अंदाजा लगेगा
खुद की हिम्मत रोज बढ़ओगे तभी दुनिया से लड़ने का इरादा जगेगा
गिरो मगर गिरकर उठना जरूरी है,
क्योंकि मुश्किलों को हराकर ही सफलता का दरवाजा खुलेगा।

सीए संदीप बाल्दी
प्रान्तीय महासचिव
9829851444

राजस्थान मध्य प्रान्त - आख्या : अप्रैल 2019-मार्च 2020

शाखा एवं सदस्यता विस्तार

जिला	वर्ष 2018-19			वर्ष 2019-20			विकास रत्न		विकास मित्र	
	शाखा सं	सदस्य सं	प्रा. अंशदान	शाखा सं	सदस्य सं	प्रा. अंशदान	2019	2020	2019	2020
3	37	2351	470200	39	2861	572200	138	158	3	5

प्रान्त में वर्ष 2019-20 में नयी शाखा- वीर शिवाजी -भीलवाड़ा, भोजरास व अजयमेरू-अजमेर

प्रान्त में **AOP** पंजियन -शाखा संख्या 8

संस्कार

4	गुरू वन्दन छात्र अभिनन्दन	शाखाएँ	34	स्कूल	424	विद्यार्थी	134667
5	राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता	शाखाएँ	26	स्कूल	173	प्रतिभागी	1446
6	भारत को जानो लिखित परिक्षा	शाखाएँ	35	स्कूल	736	प्रतिभागी	119857
	पुस्तकें	शाखाएँ	31	संख्या	14820		
7	बाल संस्कार शिविर	शाखाएँ	2	शिविर	2	प्रतिभागी	178
8	अर्न्तमहाविद्यालय वाद-विवाद	शाखाएँ	15	महाविद्यालय	39	प्रतिभागी	276

सेवा

9	रक्तदान शिविर	शाखाएँ	27	संख्या	49	यूनिट	3882
10	नेत्रदान	शाखाएँ	7	संख्या	39		
11	देहदान	शाखाएँ	2	संख्या	2		
12	विकलांग सहायता	शाखाएँ	1	शिविर	2	कृत्रिम अंग	113
13	नेत्र चिकित्सा शिविर	शाखाएँ	8	संख्या	13	ऑपरेशन	3318/345
14	स्वास्थय परिक्षण शिविर	शाखाएँ	16	संख्या	24	लाभार्थी	4578/58
15	वृक्षारोपण	शाखाएँ	26	संख्या	3318		
16	तुलसी गमला वितरण	शाखाएँ	19	संख्या	2526		
17	पक्षी-परिन्डा	शाखाएँ	23	संख्या	4545		
18	निर्धन सहा. 1. गणवेश वितरण	शाखाएँ	16	संख्या	2750	राशि	4,08,750/-
	2. स्टेशनरी वितरण	शाखाएँ	8	संख्या	635	राशि	53,975/-
	3. स्वेटर वितरण	शाखाएँ	14	संख्या	2260	राशि	2,81,200/-
	4. अन्य सहयोग -	शाखाएँ	6	संख्या	-	राशि	1,65,750/-

19	एक शाखा-एक गाँव	शाखाएँ - 26	गाँव - 26	कार्यक्रम - 84	राशि - 4,24,736/-	भागीदारी - 5112

सम्पर्क

20	संस्कृति सप्ताह	शाखाएँ	11	कार्यक्रम	272	भागीदारी	7181
21	अभीरूची शिविर	शाखाएँ	15	कार्यक्रम	177	भागीदारी	3717
22	सामूहिक सरल विवाह	शाखाएँ	5	दिनांक	30.01.20	जोड़े	17
23	महिला जागरूकता प्रकल्प	शाखाएँ	9	कार्यक्रम	27	भागीदारी	2141
24	बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ	शाखाएँ	11	कार्यक्रम	35	भागीदारी	2550
25	नशा मुक्ति	शाखाएँ	10	कार्यक्रम	17	भागीदारी	2640
26	नव-संवतसर	शाखाएँ	33	कार्यक्रम	103	भागीदारी	9550
27	स्थापना दिवस	शाखाएँ	29	कार्यक्रम	71	भागीदारी	4753

संगठन- सहभागीता

28	रीजनल अधिवेशन में सहभागीता	शाखाएँ	15	सदस्य संख्या	105
29	प्रान्तीय कार्यशाला में सहभागीता	शाखाएँ	31	सदस्य संख्या	163
30	प्रान्तीय महिला कार्यशाला में सहभागीता	शाखाएँ	16	सदस्य संख्या	153
31	जिला कार्यशाला में सहभागीता	शाखाएँ	28	सदस्य संख्या	197

अन्य

32	स्थायी प्रकल्प	शाखाएँ	2	संख्या	2
33	स्थायी कार्यक्रम	शाखाएँ	26	संख्या	69

राष्ट्रीय परिषद् बैठक

भारत विकास परिषद् की राष्ट्रीय परिषद बैठक 'मंथन' 15 व 16 फरवरी 2020 को वाराणसी में आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान मध्य प्रांत से शांतिलाल जी पानगड़िया रीजनल अध्यक्ष, मालचंद जी गर्ग राष्ट्रीय मंत्री वित्त, मुकन सिंह जी राठौड़ राष्ट्रीय मंत्री, कैलाश जी अजमेरा प्रांतीय अध्यक्ष एवं संदीप जी बाल्दी प्रांतीय महासचिव ने भाग लिया। राष्ट्रीय परिषद् बैठक में शाखाओं के संचालन, बही खाते एवं विभिन्न प्रकल्प पर विस्तृत चर्चा की गई और परिषद् के नीति नियमों की जानकारी भी प्रदान की गई। बैठक में उत्तर पश्चिम रीजन की रीजनल रिपोर्ट मुकनसिंह जी राठौड़ द्वारा सारगर्भित शब्दों मे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की गई। सदन में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने राजस्थान मध्य प्रांत की वेबसाइट, मोबाइल एप व पेपरलेस कार्यप्रणाली की भरपूर प्रशंसा की।

बैठक में राष्ट्रीय दायित्वधारियों का सत्र 2020-22 के लिए चयन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व गजेंद्र सिंह जी सन्धु, महामंत्री श्याम जी शर्मा और राष्ट्रीय वित्तमंत्री संपत जी खुर्दिया को दिया गया। उत्तर-पश्चिम रीजन के अध्यक्ष व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व डीडी शर्मा जी और संयुक्त महामंत्री व रीजन महामंत्री का दायित्व त्रिभुवन जी शर्मा को दिया गया।

रीजनल परिवार संस्कार शिविर

भारत विकास परिषद् राजस्थान उत्तर पूर्व प्रांत द्वारा आयोजित प्रथम रीजनल परिवार संस्कार शिविर 'इंद्रधनुष' का आयोजन 22-23 फरवरी 2020 को भिवाड़ी शाखा के आतिथ्य में किया गया, जिसमें राजस्थान मध्य प्रांत की तरफ से प्रताप शाखा भीलवाड़ा के मुकनसिंह जी राठौड़ राष्ट्रीय मंत्री, शिवदयाल जी अरोड़ा प्रांतीय संयोजक, सुरेश जी अग्रवाल शाखा सचिव और शंकरलाल जी छीपा शाखा सदस्य ने सपत्निक भाग लिया।

कार्यक्रम का आगाज आशा दीदी के आशीर्वचनों के साथ हुआ एवं समापन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद्र गुप्ता जी के उद्बोधन से हुआ। बीच के सभी सत्रों में विभिन्न ओजस्वी तेजस्वी और वर्चस्वि वक्ताओं के उद्बोधन हुए। पैनल डिस्कशन व महिलाओं के कार्यक्रम शिविर की शान थे तो बच्चियों द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य उसकी जान। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री डी. डी. शर्मा जी ने शिविर की महत्ता को बहुत ही सरल शब्दों में समझाया।

सामूहिक सरल विवाह - 17 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

सम्पर्क

भारत विकास परिषद् भीलवाड़ा की विवेकानन्द, आजाद, प्रताप, सुभाष व शिवाजी शाखाओं के संयुक्त तत्वाधान में 30 जनवरी 2020 गुरुवार, बसंत पंचमी को राजेन्द्र मार्ग विद्यालय में आयोजित सामूहिक सरल विवाह सम्मेलन में 17 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

गणपति स्थापना से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। उसके बाद भव्य शोभायात्रा प्रात: 9:30 सोनियों की धर्मशाला से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई 11:30 बजे सम्मेलन स्थल पहुंची। शोभायात्रा में शहर के कई उद्योगपति, समाजसेवी व अन्य लोग आकर्षक वेशभूषा में बाराती के रूप में शामिल हुए। जिसमें आगे बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण करे हुए चल रही थी। उनके पीछे घोड़ों पर दूल्हे व दुल्हनें बग्गियों में सवार थी। भारत माता की सजी हुई झांकी भी आकर्षण का केन्द्र थी।

विवाह स्थल पर वधू के 17 अस्थाई निवासों पर वर द्वारा तोरण लगाया गया। इसके बाद आशीर्वाद समारोह हुआ, जिसमें महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 श्री हंसाराम उदासीन, परिषद् के रीजनल चेयरमैन शांतिलाल जी पानगड़िया, रीजनल महामंत्री डीडी शर्मा जी, राष्ट्रीय मंत्री मुकनसिंह जी राठौड़, राष्ट्रीय मंत्री लालचंद जी गर्ग, रीजनल मंत्री पवन जी अग्रवाल, रीजनल मंत्री पूर्णा जी पारीक, प्रांतीय संरक्षक मुकुट बिहारी जी मालपानी, प्रान्तीय अध्यक्ष कैलाश जी अजमेरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष रतन लाल जी नाहर, रामेश्वर लाल जी काबरा, पारस जी बोहरा प्रान्तीय महासचिव संदीप बाल्दी, संयोजक श्याम जी दरगड़, सहसंयोजक ओम जी जागेटिया, आजाद शाखा अध्यक्ष अमित सोनी, प्रताप शाखा अध्यक्ष दलपत सिंह राठौड़, सुभाष शाखा अध्यक्ष दिनेश शारदा, शिवाजी शाखा अध्यक्ष सुमित जागेटिया और विवेकानन्द शाखा अध्यक्ष बलवन्त राय लढ़ा मंचासीन रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रांतीय महिला प्रमुख श्रीमती गुणमाला जी अग्रवाल और भीलवाड़ा जिला सचिव शिवम जी प्रहलादका ने किया।

आशीर्वाद समारोह में वरमाला के पश्चात वर वधू को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशामुक्ति की शपथ के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के अंतर्गत हेलमेट भेंट किया गया। इसके बाद पाणिग्रहण संस्कार हुआ। जिसमें पूर्व सांगानेर व भीलवाड़ा शहर सहित रतलाम, सीकर, नागौर, नीमच, गंगापुर, मणासा, अजमेर, आसीन्द, शाहपुरा, फुलेरा सहित अन्य स्थानों के जोड़ों ने यज्ञ कुण्ड के चहुंओर फेरे लेकर 7 जन्मों तक एक दूसरे का साथ निभाने की कस्में खाई। सम्मेलन में एक दुल्हन दिल्ली की भी शामिल थी। फेरों के बाद विदाई समारोह शुरू हुआ। परिषद के कार्यकर्ताओं ने सभी जोड़ों को उपहार में आवश्यक घरेलु वस्तुएं देकर विदाई दी।

संस्कृति सप्ताह

संस्कृति सप्ताह प्रकल्प के अंतर्गत राजस्थान मध्य प्रांत की 11 शाखाओं द्वारा प्रांतीय संयोजिका श्रीमति अमृता जी उपाध्याय व श्रीमति अर्पिता जी गोयल के नेतृत्व में विभिन्न 272 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें 7181 प्रतिभागी रहें।

जनवरी माह में भारत विकास परिषद किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह का आयोजन अग्रसेन भवन में दिनांक 7 जनवरी से 13 जनवरी तक किया गया। महिला प्रमुख पार्वती कुमावत व शाखा अध्यक्ष श्रीमान ओमप्रकाश जी मैनवत व परिषद सदस्यों द्वारा दीपप्रज्वलन कर विधिवत शुभारंभ किया गया

कार्यक्रम प्रभारी जयश्री अग्रवाल व रश्मि जैन ने बताया कि 7 जनवरी को मनोरंजक म्यूजिकल अंताक्षरी इसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, द्वितीय दिवस कुकिंग प्रशिक्षण का कार्यक्रम, तृतीय दिवस चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कनिष्ठ व वरिष्ठ 2 वर्ग रखे गए इसमें लगभग 70 बच्चों ने भाग लिया, इसी के साथ बालिकाओं व महिलाओं की मटका रेस सुई धागा चम्मच रेस हुई जिसमें अपार सहभागिता हुई लगभग 80 महिलाओं व बालिकाओं ने भाग लिया। चतुर्थ दिवस निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें 2 वर्ग रखे गए थे कक्षा 4 से 8 में जीवन में खेलों का महत्व और वरिष्ठ वर्ग में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) रखा गया ।इन दोनों में लगभग 37 बच्चों ने भाग लिया। पंचम दिवस फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रखी गई जिसमें दोनों वर्गों में लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया और अनेक राजनेताओं जैसे मोदी योगी निर्मला सीतारमण सुषमा स्वराज भीमराव अंबेडकर अब्दुल कलाम आदि के वेश में डायलॉग बोले। षष्ठम् दिवस अनुपयोगी वस्तु से उपयोगी वस्तु बनाना जिसमें दोनों वर्गो में लगभग 32 प्रतिभागियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। इसमें घर में पड़ी फालतू चीजों से अनेक काम की चीजें बनाई फोटो फ्रेम वेक्यूम क्लीनर गुल्लक वेनिटी केस रेक इत्यादि बनाएं।अंतिम दिवस दिनांक 13 जनवरी 2020 को संस्कार प्रकल्प के तहत संस्कृति सप्ताह के समापन पर सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता एवं पारितोषिक वितरण का आयोजित किया गया। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में 18 ग्रुप ने उत्साह और उमंग से भाग लिया। विजेताओ को पुरस्कार श्री मान रतनलाल जी जैन द्वारा प्रदान किये गए।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुक्मनामा समाचार

निबंध प्रतियोगिता में जताया हितेन

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रकल्प के अंतर्गत राजस्थान मध्य प्रांत की 10 शाखाओं द्वारा प्रांतीय संयोजिका श्रीमती भारती जी मोदानी के नेतृत्व में विभिन्न 29 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 2172 लाभान्वित रहें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान व् राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भाविप शाखा गंगापुर द्वारा स्थानीय चिकित्सालय जाकर बालिका शिशु को जन्म देने वाली प्रसूताओं को तिलक लगाकर ऊपरना ओढ़ाकर एवं शिशु बालिका के लिए पोशाक भेंट कर सम्मानित किया व सभी प्रसूताओं को फल व बिस्किट वितरित कर बालिका जन्म की शुभकामनाएं भी दी गई। एक नये कार्यकम ''मुस्कुराहट'' का शुभारम्भ किया गया जिसके अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र जाकर वहां बच्चों के साथ केक काट कर, स्वेटर, नोटबुक रबर पेंसिल शॉर्पनर आदि अध्ययन सामग्री भेंट की गई तथा अल्पाहार कराया गया।

बेटी जन्म पर 10 माताओं का सम्मान

महिला जागरूकता

प्रकल्प के अंतर्गत राजस्थान मध्य प्रांत की 8 शाखाओं द्वारा प्रांतीय संयोजिका डॉक्टर कमला जी गोखरू व श्रीमति प्रतिभा जी कोठारी के नेतृत्व में विभिन्न 22 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 1324 लाभान्वित रहें।

राजसमंद शाखा द्वारा एक शाखा–एक गाँव में महिला जागृती के विशेष कार्य में महिलाओं के आत्मनिर्भर बनाने हेतु चयनित गाँव बोरज का खेड़ा में सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला में शिक्षित महिलाओं द्वारा बनाई गई वस्तुओं की प्रदर्शनी का अवलोकन और 3 महिलाओं का सिलाई मशीन दी गई। साथ ही आंगनवाड़ी स्कूल के 30 बच्चों को स्कूल–बैग दिए गए, जिसमें आर्थिक सहयोग परिषद की महिला सदस्यों का रहा।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

भारत विकास परिषद् **भीलवाड़ा** द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन वरिष्ठ नागरिक भवन में किया गया। जिसमें परिषद परिवार की महिलाओं ने बहुत उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम कि शुरुआत श्री मति अमृता जी उपाध्याय,भारती जी मोदानी, सुनीता जी नरानीवाल, नीलम जी शुक्ला, ललिता जी बोहरा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस गोष्ठी में सभी महिला सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अपने अपने विचार रखे जिमसें श्रीमती गुणमाला जी अग्रवाल ने समाज की दिशा व दशा बदलने की बात कही। सुनीता जी नरानीवाल ने कानून के सही उपयोग कि चर्चा की। शारदा चेचानी ने कहा की पुरानी पीढ़ी को अपने कर्तव्य पता थे अधिकार नहीं जबकि आज की पीढ़ी में अधिकार पता है कर्तव्य नहीं इसमें महिलाओं को संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है ताकि परिवार में संस्कार बने रहें यह सभी कार्य महिला ही कर सकती है। भारती मोदानी ने महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया वहीं ललिता जी बोहरा ने समानता की बात कही। नीलम जी शुक्ला ने गांव की शिक्षा पर जोर दिया। कार्यक्रम मे राजनीति, महिला शिक्षा पर जोर, महिला आत्मनिर्भरता, आदि विषयों पर विचार सदस्यों ने रखे एवं कहा कि सभी को इसमे लगन से कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम मे वीणा जी खटोड़, साधना जी बाहेती, इंदु जी चेचानी, रीता जी गोयल, वंदना जी लढा, संजू जी राठी, मिनाक्षी जी मानसिहका, कांता जी मेलाना, कीर्ति जी संगतानी, नीरु जी सिंहल आदि महिला सदस्या उपस्थित रही।

महिलाएं खुद को कमजोर नहीं मानें, बदल सकती हैं समाज की दिशा-दशा

पीएम से गुहार, निर्भया जैसे कांड दोबारा न हो, करो ऐसे इंतजाम

टॉक शो में ये थी मौजूद

भारत विकास परिषद भीलवाड़ा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 40 महिलाओं को नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण

भारत विकास परिषद् शाखा **मांडल** द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शाखा- महिला प्रमुख श्रीमती माया शर्मा द्वारा महिलाओं को नि: शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन यूनिक कंप्यूटर सेंटर नई नगरी, मांडल में किया गया। उक्त कार्यक्रम में भारत विकास परिषद शाखा मांडल की महिला प्रमुख श्रीमती शर्मा ने कहा कि आज के युग में महिलाओं को डिजिटल होना बहुत आवश्यक है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें कार्यक्रम में भाविप सदस्या रेखा तिवारी, कल्पना पाराशर, रेनू सेन एवं सुमित्रा देवी जीनगर आदि महिलाओं ने कुमकुम तिलक, लगाकर पुस्तके वितरण की। महिलाओं को 3 माह तक

ई-लर्निंग के माध्यम से नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भारत विकास परिषद, **ब्यावर** शाखा द्वारा महिला सदस्यों के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं विवेकानंद जी को माल्यार्पण कर की गई। तदुपरांत सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत हाथों में महेंदी और केश में गुलाब सजा कर किया। इसके पश्चात महिला प्रमुख श्रीमती निशा जी खंडेलवाल ने महिलाओं को कहा कि समाज और परिवार के प्रति समर्पित होने के साथ ही स्वयं का ध्यान रखना भी जरूरी है। श्रीमती कमलेश बंट ने महिला दिवस का महत्व और महिला सशक्तिकरण का मतलब समझाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था मनोविज्ञानी प्रांजुल जी सोमानी का वक्तव्य, जिसमें उन्होंने महिलाओं में बढ़ रहे अवसाद, उसे पहचानने के तरीके और उबरने की कोशिशों के विषय में बात की। साथ ही सदस्यों के प्रश्नों का समाधान भी किया। कार्यक्रम में महिलाओं का समय महिलाओं के लिए विषय पर एक परिचर्चा रखी गई जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मनोरंजन के लिए गेम खेले और घूमर किया। ज्योति माहेश्वरी द्वारा महिला दिवस पर लिखी कविता पाठ से कार्यक्रम का समापन किया।

भाविप शाखा **भोजरास** द्वारा महिला दिवस पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में शाखा प्रमुख ज्योति टेलर ने बताया कि महिलाओं को चार दीवारी से बाहर निकल कर हर क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहिए! महिलाएं अपने आप को कमजोर ना समझे अपने सही पहचान कर सही दिशा में कदम बढ़ाए एवं सशक्त बने, महिला सह प्रमुख मीता मंडल ने बताया कि नारी वह शक्ति है जो किसी समस्या से नहीं हारी है , नारी ही स्वच्छ समाज का निर्माण करती है! महिला संरक्षक टीना जी मालपानी ने बताया कि समाज में व्याप्त कुरीतियों घूंघट प्रथा, बाल विवाह व समाज के विकास में महिलाओं के योगदान के बारे में चर्चा की। अंत में महिला प्रमुख द्वारा सभी मातृशक्ति को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी व परिषद में महिलाओं की भागीदारी पर जोर दिया। महिलाशक्ति द्वारा राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन किया गया।

वैष्णव भवन बिजयनगर में भारत विकास परिषद् शाखा **बिजयनगर** द्वारा फाग महोत्सव का आयोजन के अंत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण को लेकर दीपमाला तलेसरा , संध्या जी जैन व ललिता जी भंडारी ने अपने विचार व्यक्त किए।

महिला दिवस पर किया महिला प्रतिभाओं का सम्मान

स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनें महिलाएं

बिजयनगर में चिकित्साकर्मी को सम्मानित करते अतिथि।

बांदनवाड़ा. बालिका को नि:शुल्क कम्प्यूटर शिक्षण सामग्री देते अतिथि।

बिजयनगर. कस्बे में अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारत विकास परिषद की ओर से क्षेत्र की महिला प्रतिभाओं का अभिनन्दन किया गया। परिषद पदाधिकारी विनोद नाहर, एसएन जोशी, राजेश सोनी, डॉ. राजेश अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारियों ने कस्बे में वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉ. कल्पना अग्रवाल, प्रधानाचार्य डॉ. कुंजलता सारस्वत, प्रमिला रासलोत, ग्राम पंचायत बरल सरपंच ज्योति जैन, उपप्रधानाचार्य अनुभूति राजावत, एलआईसी कैशियर मैना देवी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शीला जोशी, महिला पुलिसकर्मी सीता बैरवा, आशा नायक सहित अन्य महिला प्रतिभाओं का स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनन्दन किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर भाविप **जालिया द्वितीय** द्वारा स्थानीय राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय में ग्राम जालिया द्वितीय की महिला शक्ति को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा सुश्री आरती राठौड़ ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर स्थानीय चिकित्सालय के चिकित्सा कर्मियों ने कोरोना वायरस पर छात्राओं की शंकाओं का समाधान किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय महाविद्यालय व स्थानीय विद्यालयों की छात्राओं ने अपनी सहभागिता दर्शाई। शाखा द्वारा छात्राओं को शिक्षण सामग्री भी उपलब्ध करवाई गई। मंच संचालन शाखा के वित्त सचिव रमेश चंद भोजवानी ने किया।

महिला दिवस पर भारत विकास परिषद शाखा **गंगापुर** की महिला सदस्यों द्वारा चिकित्सालय में बालिका शिशु को जन्म देने वाली 10 प्रसूताओं व बालिकाओं और उपस्थित 04 सफाई महिला दूत कर्मचारी को उपरना व शाल ओढ़ाकर फल व बिस्कुट देकर सम्मानित किया गया। महिला प्रमुख पूजा लोहिया महिला जागरूकता प्रमुख वंदना बाल्दी, सदस्या सुधा रांका, मीना वैष्णव, दीपिका सोनी, स्नेहलता खींची, निशा समदानी, सुनीता न्याति, सीमा बुलिया, ममता जीनगर आदि महिला सदस्यों की उपस्थिति रही।

होली स्नेह मिलन

भारत विकास परिषद् मुख्य शाखा **अजमेर** ने दिनांक 23 फरवरी 2020 को रंगो के त्यौंहार होली के उपलक्ष में फाग महोत्सव का आयोजन किया, जिसमें करीब 100 सदस्यों एवं परिजनों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। नृत्य, संगीत एवं गीत ने माहौल में ऋतु परिवर्तन का संदेश दिया। सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर प्रस्तुतियां दी। सभी ने फूलों से होली खेली एवं एक दूसरे को बधाई दी ।

वैष्णव भवन **बिजयनगर** में भारत विकास परिषद शाखा बिजयनगर द्वारा फाग महोत्सव का आयोजन का शुभारम्भ वन्देमातरम् गायन व भारत माता तथा स्वामी विवेकानन्द के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर किया। फाग महोत्सव में परिषद् परिवार के पुरुष व महिला तथा बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। फाग महोत्सव में आर्ट एण्ड लिविंग ट्रेनर ब्यावर से नरेश झँवर एण्ड कम्पनी के द्वारा होली पर आधारित भजनों की एक से एक सुन्दर भजनों प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय हो गया। फाग महोत्सव में नृत्यों के साथ फूलों से होली खेली गई कार्यक्रम का समापन आरती के पश्चात् राष्ट्रगान से किया गया।

आजाद, भीलवाड़ा द्वारा फागुन की मस्ती का आयोजन किया, कार्यक्रम की विशेषता रही महिला प्रमुख विजया सोमानी और कल्पना सोनी जिन्होंने कृष्ण और राधा का वेश धारण कर सभी को मोहित किया। पुष्पा जी गग्गड़ ने बहुत ही मनमोहक गीत प्रस्तुत कर समा बांध दिया। होली के, फागुन के गीतों पर सभी महिलाएं झूम उठी। इस कार्यक्रम में परिषद् की महिलाओं के अलावा और भी अनेक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में भारती मोदानी, किरण सेठी, विजया सोमानी, सीमा गोयल, रेखा सोड़ानी, कल्पना सोनी, निहारिका सोमाणी, स्नेहा व्यास, मधु गुप्ता, आरती खटोड़, सुमन सोमाणी, पल्लवी ढांचा आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

भारत को जानो

संस्कार

राष्ट्रीय स्तर का भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन 19.01.2020 को भुवनेश्वर में किया गया, जिसमें उत्तर-पश्चिम रीजन के कनिष्ठ वर्ग का प्रतिनिधित्व राजस्थान मध्य प्रान्त की शाखा किशनगढ़ मुख्य के एम. एस. एस. स्कूल, किशनगढ़ से **शोर्य पाण्डे व प्रिंस भराड़िया** ने किया व श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट दिए गए।

भारत जानो प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहा किशनगढ़

अन्तर्महाविद्यालय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता

अन्तर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का शाखा स्तरीय आयोजन 15 शाखाओं द्वारा 39 महाविद्यालयों के 2661 विद्यार्थीयों की उपस्थिति में किया गया और प्रतियोगिता में 276 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता के विषय '**सोशल मीडिया जीवन मूल्यों** के लिए वरदान या अभिशाप' के पक्ष एवम विपक्ष में ऊर्जायुक्त प्रस्तुतियां दी।

प्रान्त स्तरीय अन्तर्महाविद्यालय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता

प्रथम प्रांत स्तरीय अंतर्महाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन वीर शिवाजी भीलवाड़ा शाखा के आतिथ्य में पीएफसी गार्डन, भीलवाड़ा में किया गया। प्रतियोगिता में प्रांत की 15 शाखाओं से 30 प्रतियोगियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व रीजनल चेयरमैन श्रीमान् शान्तिलाल जी पानगड़िया, रीजनल पर्यवेक्षक एवं राष्ट्रीय मंत्री श्री मुकनसिंह जी राठौड़, राजस्थान प्रांत युवा प्रमुख विवेकानंद केंद्र के श्री सत्यमजी शर्मा, रीजनल संयोजिका अंतर्महाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता डॉ. कुमकुम जी कपूर, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश जी अजमेरा, प्रांतीय महासचिव संदीप जी बाल्दी, प्रांतीय संयोजक राजेश जी सोनी एवं शाखा अध्यक्ष सुमित जी जागेटिया द्वारा मां भारती व स्वामी विवेकानंद के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन करके किया गया।

सर्वप्रथम प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा आगंतुकों का परिचय, स्वागत उद्‌बोधन एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री सत्यम जी शर्मा द्वारा प्रेरणास्पद उद्‌बोधन युवाओं को दिया गया। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि युवाओं को अपना लक्ष्य निर्धारण करते हुए आदर्श के साथ लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयास करते रहना चाहिए। श्री शांतिलाल जी पानगड़िया ने इस प्रतियोगिता के माध्यम से परिषद् को युवाओं के मध्य ले जाने की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और इसे समय की आवश्यकता बताया।

प्रतियोगिता में सोशल मीडिया जीवन मूल्यों के लिए वरदान या अभिशाप विषय पर प्रतियोगियों ने पक्ष और विपक्ष में अपने–अपने तर्क दिए व सदन में उपस्थित सभी श्रोताओं का दिल जीत लिया। समापन सत्र में डॉ कुमकुम कपूर ने श्रेष्ठ कार्यक्रम के आयोजन हेतु मध्य प्रांत को बधाई प्रेषित की और साथ ही रीजन में होने वाली प्रतियोगिता के बारे में अपने विचार रखें।

प्रतियोगिता के पक्ष में प्रथम स्थान पर राजसमंद शाखा की विनीशा पुरोहित, द्वितीय स्थान निशा माखीजानी, जालिया द्वितीय और तृतीय स्थान अनंत सेन आसींद शाखा से रहें और विपक्ष में प्रथम स्थान पर पुष्कर शाखा से वर्षा शर्मा, द्वितीय परीक्षा नाहर, वीर शिवाजी भीलवाड़ा और तृतीय चंचल राजपूत, सुभाष शाखा भीलवाड़ा से रही। पक्ष–विपक्ष टीम योग में पुष्कर शाखा की टीम प्रथम एवं राजसमंद शाखा की टीम द्वितीय स्थान पर रहीं।

प्रांतीय वाद-विवाद में पुष्कर-राजसमंद प्रथम

राजसमन्द की विनीशा प्रान्त स्तर पर प्रथम

वर्षा और किरण ने बढ़ाया पुष्कर का मान

प्रांत स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में टीम रही अव्वल

सभी विजेता विद्यार्थियों और भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों एवं महाविद्यालयों को प्रांत द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महिला प्रमुख गुणमाला जी अग्रवाल, प्रांतीय सह संयोजिका श्रीमती किरण जी सेठी और जिला सचिव शिवम जी प्रहलाद का ने किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम प्रभारी नीरज अग्रवाल जी का भी स्वागत व शाखा अध्यक्ष द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

प्रथम रीजनल स्तरीय अन्तर्महाविद्यालय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता

भारत विकास परिषद्, उत्तर-पश्चिम रीजन की प्रथम रीजनल अंतर्महाविद्यालय हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगता का आयोजन दिनांक 25 जनवरी 2020 शनिवार को अलवर में किया गया, जिसमें 7 प्रांत से प्रांत स्तरीय 14 विजेताओं ने हिस्सा लिया। राजस्थान मध्य प्रांत का प्रतिनिधित्व प्रांत स्तरीय विजेता सूरज नारायण पारीक महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, पुष्कर की छात्रा वर्षा शर्मा एवं किरण शर्मा ने किया। प्रतियोगिता में वाद-विवाद का विषय था - ''**सशक्त एवं सजग विपक्ष सफल लोकतंत्र के लिए अपरिहार्य है**। रीजन स्तरीय प्रतियोगिता में वर्षा शर्मा नें अपने अकाट्य तर्कों के माध्यम से प्रथम स्थान प्राप्त किया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुरेश जी गुप्ता ने विजेता वर्षा शर्मा को प्रथम विजेता पुरस्कार स्वरूप 5100/- रुपए राशि, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

युवा दिवस - स्वामी विवेकानन्द जयन्ति

भारत विकास परिषद् जालिया द्वितीय द्वारा नवाचार के अन्तर्गत युग पुरूष स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों व विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराने व उनके द्वारा दिखाये गये सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करने के लिए महाविद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य पूरे सप्ताह ज्ञानार्जन व विविध प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन व ज्ञान चर्चा, स्वामी जी से सम्बधित काव्य पाठ प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता जिसका विषय था ''युग पुरुष स्वामी विवेकानन्द'', भाषण प्रतियोगिता का आयोजन जिसका विषय था ,''स्वामीजी के सपनों का भारत'' , पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन जिसका विषय था,'' स्वामी विवेकानन्द'' और फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , जिसका विषय था ''स्वामी विवेकानन्द।'' विविध प्रतियोगिताओ में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। विजेताओ को पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को किया याद

जाग्रति - एक प्रखर चिन्तन

भारत विकास परिषद् राजसमन्द द्वारा भिक्षु निलियम जामनगर में साहसी, राष्ट्रवादी चिन्तनशील विचारों के पूंज मुख्य वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ के उद्बोधन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उन्होंने संस्कृति को समझाते हुए कहा कि आज प्रत्येक जन मानस को जागृत होकर सही बात को समझना चाहिए। साथ ही उन्होंने धारा 370ए, 35ए एवं नागरिक संशोधन कानून पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को संविधान की जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम के आरंभ में विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक किरण माहेश्वरी ने राष्ट्रवाद को आज के परिप्रेक्ष्य में सम्पूर्ण जानकारी के साथ महत्व को समझाते हुए कहा कि वैचारिक जन जागृति होना अति आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी को जागरूक होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर संत ज्ञानानंद महाराज, नगर परिषद सभापति सुरेश पालीवाल, कमल किशोर व्यास सहित परिषद के कई सदस्य उपस्थित थे।

प्रत्येक नागरिक को संविधान की जानकारी होनी जरूरी : कुलश्रेष्ठ

कार्यक्रम • मुख्य वक्ता राजनीतिक विश्लेषक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने देश की सुरक्षा और आंतरिक चुनौती पर विचार रखे

भारत को धर्म के नाम पर नहीं मजहब के नाम पर बांटा : कुलश्रेष्ठ

चेन्ज यौर लाईफ

भारत विकास परिषद् मुख्य शाखा किशनगढ़ के तत्वावधान मे आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक स्नेह देसाई ने जैन पब्लिक स्कूल सभागार मे अपने कार्यक्रम चेंज यौर लाइफ कार्यकम मे बताया कि कैसे सकारात्मक सोच रखकर अपने लक्ष्य को पाया जा सकता है। 2 घन्टे के कार्यक्रम में उन्होंने सकारात्मक सोच के साथ जीवन मे कैसे सफल बनें इसे टीवी स्क्रीन के माध्यम से बहुत ही आसान शब्दों मे समझाया व बीच-बीच मे आये हुए सभी महिलाओं पुरुषों को जीवन की सच्चाई से रुबरु कराया। स्नेह देसाई ने स्वास्थ्य समृधि सम्बंध सफलता के बारे मे भी बतलाया। कार्यक्रम के शहर के अन्य संस्थाओं व स्कूल के 700 विद्यार्थी, महिला, पुरुष एवं परिषद सदस्य मौजुद रहे।

जीवन को सफल बनाने के 35 तौर-तरीके बताए

कबीरा खड़ा बाजार में

भारत विकास परिषद् गंगापुर. द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में भीष्म साहनी द्वारा लिखित नाटक कबीरा खड़ा बाजार में का मंचन वरिष्ठ रंगकर्मी हरीश पंवार के निर्देशन में किया गया। नाटक तत्कालीन सत्ता के कबीर के अदम्य साहस को रेखांकित करता है। समाज में प्रचलित मूढ़ता और आडंबर के

खिलाफ और जनता पर अन्याय के प्रति उनके तेवर तीखे हो जाते है। गणेश जैन लंकेश के संयोजन में फाग गीत गाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शांतिलाल पानगड़िया ने की, मुख्य अतिथि विधायक कैलाश त्रिवेदी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय मंत्री मुकुनसिंह, उपखण्ड अधिकारी पंचौली, पुलिस उपाधीक्षक बुधराज टांक, प्रांतीय महासचिव संदीप बाल्दी, चेतन प्रकाश डीडवाना, व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय रूईया, शंकरलाल जाट, मुकेश चंदेल, धीरज चंदेल, नंदकिशोर तेली सहित परिषद् के कई सदस्य उपस्थित थे।

कबीरा खड़ा बाजार में का मंचन

गंगापुर.भारत विकास परिषद की ओर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में भीष्म साहनी द्वारा लिखित नाटक कबीरा खड़ा बाजार में का मंचन वरिष्ठ रंगकर्मी हरीश पंवार के निर्देशन में किया गया। नाटक तत्कालीन सत्ता के कबीर के अदम्य साहस को रेखांकित करता है। समाज में प्रचलित मूढ़ता और आडंबर के खिलाफ और जनता पर अन्याय के प्रति उनके तेवर तीखे हो जाते है। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के अध्यक्ष दिनेश श्रोत्रिय सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। गणेश जैन लंकेश के संयोजन में फाग गीत गाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शांतिलाल पानगड़िया ने की। जबकि मुख्य अतिथि विधायक कैलाश त्रिवेदी, विशिष्ट अतिथि उपखण्ड अधिकारी विकास पंचौली, पुलिस उपाधीक्षक बुद्धराज टांक, चेतनप्रकाश डीडवानिया, भाविप के राष्ट्रीय मंत्री मुकुनसिंह राठौड़, व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय रूईया, शंकरलाल जाट, मुकेश चंदेल, धीरज चंदेल, नंदकिशोर तेली मौजूद थे।

नाट्य मंचन से दिया बेहतर स्वास्थ्य का संदेश

नव संवत्सर - वर्ष प्रतिपदा - नव वर्ष

कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी के पूरे देश में लॉकआउट आह्वान को देखते हुए राजस्थान मध्य प्रांत की सभी शाखाओं के सदस्यों ने अपने-अपने घरों में नव संवत्सर पर्व का आयोजन किया। सदस्यों ने नववर्ष की पूर्व संध्या एवं नववर्ष संध्या पर घरों में रंगोली, रोशनी सजावट और दीप प्रज्वलन कर फोन के माध्यम से एक दूसरे को बधाई संदेश प्रेषित किए। शाखाओ के कुछ सदस्यों ने अपने घरों पर भजन-कीर्तन और सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर समस्त देशवासियों के कुशल स्वास्थ्य की कामना की। **राजसमंद** शाखा द्वारा नव संवत्सर पर एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत सदस्यों को अपने घर में रंगोली बनाकर उस रंगोली के साथ अपना फोटो शाखा के ग्रुप में पोस्ट करना था, परिणाम स्वरूप शाखा सदस्यों ने नकारात्मक वातावरण में भी सकारात्मक ऊर्जा दिखाते हुए सुंदर-सुंदर रंगोलियां का चित्रण करते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया और हर्षोल्लास से नव संवत्सर पर्व मनाया।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर घरों में दीपक जलाए

रायपुर .भारत विकास परिषद की ओर नव वर्ष की पूर्व संध्या पर अपने.अपने घरों के बाहर दीपक जलाए गए।

25 मार्च को नव वर्ष के अभिनंदन में घरों के बाहर रंगोलियां व मिट्टी के दीए जलाए जाएंगे (समूह वाले समस्त कार्य स्थगित किए गए हैं।

सर्वोत्तम दान-देहदान

सेवा

भारत विकास परिषद् शाखा बिजयनगर की प्रेरणा से भँवर बाड़ी बिजयनगर निवासी पुखराज कर्नावट 74 वर्षीय के स्वर्गवास के उपरान्त पुण्यात्मा की इच्छा अनुसार परिवारजन भागचन्द महेन्द्र, राजेश, संजय कर्नावट द्वारा जवाहर नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर में 10 जनवरी 2020 देहदान प्रक्रिया को पूरा करवाया।

कर्नावट की देह मेडिकल कॉलेज को सौंपी

भारत विकास परिषद शाखा की प्रेरणा से देहदान

इधर, देहदान का भरा घोषणा पत्र

मध्य प्रांत की शाखाओं की प्रेरणा इस सत्र में दूसरा देहदान हुआ है। इस अवसर पर भारत विकास परिषद् शाखा के अध्यक्ष विनोद नाहर सचिव सत्यनारायण जोशी, कोषाध्यक्ष ज्ञान चंद नाहर, दिलीप मेहता, पंकज पीपाड़ा, रतन लाल नाहर, सुरेश शर्मा, रूपचंद नाबेड़ा, विनोद त्रिपाटी, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष दिनेश कोगटा, गौतम बुरड़, धन्नालाल जैन , लक्ष्मण शर्मा, श्यामलाल शर्मा, देहदान प्रभारी जितेन्द्र पीपाड़ा, अजय पोखरना, धनराज पंडवार, पारसमल भटेवरा, महावीर कोठारी, ज्ञानचन्द खाब्या, महेन्द्र गोधा, विनय कर्नावट आदि उपस्थित रहे।

बिजयनगर में प्रथम देहदान कर्नावट का

बिजयनगर,(काप्र.-सरेराह)। भवंरबाड़ी निवासी पुखराज कर्नावट के मरणोपरांत देहदान का संकल्प आज पूरा होगा। पुखराज कर्नावट के आज निधन हो जाने से उनकी देह चिकित्सा अनुसंधान के लिए मेडिकल कॉलेज अजमेर को सौंपी जाएगी। भारत विकास परिषद शाखा बिजयनगर की परेणा से कर्नावट ने अपनी देहदान का संकल्प लिया था। भारत विकास परिषद शाखा बिजयनगर के सचिव एसएन जोशी ने बताया कि महान विभूति, जिन्होंने अपने देहदान का संकल्प लिया है।

नेत्रदान : कुल जोड़े 39

सत्र 2019-20 में राजस्थान (मध्य) प्रान्त की 7 शाखाओं की प्रेरणा से अब तक **कुल 39 जोड़ा नेत्रदान** करवाया गया। भाविप-मदनगंज-किशनगढ़ शाखा की प्रेरणा से इस वर्ष अब तक सर्वाधिक कुल **22** जोड़ा नेत्रदान सम्पन्न करवाये।

किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा श्री ललित किशोर पुत्र श्री सत्यनारायण जी का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 1 जनवरी 2020

किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा श्रीमती शिवा देवी पत्नी महेशचन्द्र जी शर्मा का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 4 जनवरी 2020

गुलाबपुरा शाखा द्वारा श्री छीतरमल जी मेवाड़ा पुत्र श्री राम जी मेवाड़ा का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 23 जनवरी 2020

स्वामी विवेकानन्द किशनगढ़ शाखा द्वारा श्रीमती लीला देवी पत्नी स्व. श्री कालूसिंह जी मेहता का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 31 जनवरी 2020

किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा श्री सुरेशचन्द्र जी लढ़ा पुत्र स्व. श्री सत्यनारायण जी लढ़ा का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 1 फरवरी 2020

किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा श्रीमती चन्द्रकान्ता मून्दड़ा पत्नी श्री विमलचन्द जी मून्दड़ा का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 10 फरवरी 2020

स्वामी विवेकानन्द किशनगढ़ शाखा द्वारा श्रीमती सुप्रभा देवी पत्नी श्री जुगलकिशोर जी डेरोल्या का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 12 फरवरी 2020

गुलाबपुरा शाखा द्वारा श्रीमती लीला जी शर्मा पत्नी श्री नन्दकिशोर जी शर्मा का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 23 फरवरी 2020

किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा श्री सुरेश जी बुलानी का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 3 मार्च 2020

किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा श्री आशीष जी गर्ग पुत्र श्री अशोक जी गर्ग का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 14 मार्च 2020

किशनगढ़ मुख्य शाखा द्वारा श्रीमती सुमन जी जोशी पत्नी श्री ललित जी जोशी का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाया गया। 16 मार्च 2020

नेत्र चिकित्सा शिविर

सत्र 2019-20 में राजस्थान (मध्य) प्रान्त की 8 शाखाओं द्वारा 13 नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 3318 रोगी लाभान्वित हुए और 345 रोगीयों के नि:शुल्क ऑपरेशन किये गये। विशेषकर भारत विकास परिषद् शाखा **किशनगढ़ मुख्य** द्वारा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर 28.02.2020 का आयोजन किया गया, शिविर में **490 रोगी** का पंजियन हुआ और **219 रोगीयों** के नि:शुल्क ऑपरेशन मार्बलसिटी हास्पिटल, किशनगढ़ में किये गये।

रक्तदान - जीवनदान

सत्र 2019-20 में राजस्थान (मध्य) प्रान्त की **27** शाखाओं द्वारा **49** विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें सदस्यों के अथक प्रयासों से **3882** रक्त युनिट एकत्रित कर मानव सेवा के इस अभिनन्दनीय कार्य में सहयोग प्रदान किया गया। विशेषकर जहाजपुर शाखा द्वारा **8** शिविरो में **774** युनिट रक्त संग्रहण किया।

चिकित्सा परामर्श शिविर

सत्र 2019-20 में राजस्थान (मध्य) प्रान्त की 16 शाखाओं द्वारा 24 चिकित्सा व परामर्श शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें 4578 रोगी लाभान्वित हुए और 54 **रोगीयों** के निशुल्क **ऑपरेशन** किये गये। विशेषकर शाखा **गुलाबपुरा** द्वारा प्रतिमाह आर्युवेदिक चिकित्सा शिविर, जिसमें अब तक 803 रोगी लाभान्वित हुए। शाखा **राजसमंद** द्वारा चिकित्सा व परामर्श शिविर का आयोजन 12.01.2020 को किया गया, जिसमें 676 रोगी लाभान्वित हुए। **आजाद शाखा**, भीलवाड़ा द्वारा एक शाखा-एक गांव कार्यक्रम के तहत आरोग्य मेडिकल कैंप 'रीछडा' में लगाया गया। कैंप की शुरुआत मां भारती एवं युगपुरुष स्वामी विवेकानंद के समक्ष शाखा संरक्षक अरुण जी बाहेती, अध्यक्ष अमित सोनी, विनोद राठी द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। कैंप में 6 डॉक्टर द्वारा 282 रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श दिया गया एवं रोगियों को निशुल्क दवाइयां वितरित कराई गई। नेत्र चिकित्सक श्री सुरेश जी भदादा, गायनिक चिकित्सक श्री आशीष जी अजमेरा, फिजीशियन श्री शुभम जी अजमेरा, शिशु रोग विशेषज्ञ श्री प्रशांत जी आगाल, सर्जन श्री एस पी शर्मा और ऑर्थोपेडिक श्री पंकज जी ईनाणी ने चिकित्सा परामर्श दिया।

भीलवाड़ा शाखा द्वारा वर्ष पर्यन्त प्रत्येक रविवार एक्युप्रेशर शिविर व डायबिटीज दवा का नि:शुल्क वितरण और किशनगढ़ शाखा द्वारा वर्ष पर्यन्त फिजोथैरेपि सेन्टर का संचालन।

आयुर्वेदिक शिविर में 70 रोगी लाभान्वित

नि:शुल्क 2 दिव्यांग एवं कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर

3 जनवरी। भारत विकास परिषद् की विवेकानंद एवं बेगूं शाखा के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क दिव्यांग सहायता एवं कृत्रिम अंग प्रत्यारापेण शिविर पुराने बेगूं में स्थित श्री सांवलिया नीलकंठ वाटिका, पुराना टॉकीज में लगाया गया। शिविर में कुल 51 रोगी लाभान्वित हुए। राजस्थान मध्य प्रांत के प्रान्तीय महासचिव सीए संदीप बाल्दी ने बताया की शिविर में 13 दिव्यांगजनो को पैर, 5 को हाथ, 10 को बैसाखी, 9 को कैलिपर, 3 को ऑर्थो शूज, 3 को वॉकर, 6 को स्टिक दिए गए। 2 के कृत्रिम अंग रिपेयर किये गए। कृत्रिम हाथ पैर लगने के बाद सभी के चेहरे इस तरह खिल उठे मानो उन्हें नया जीवन मिल गया हो। भीलवाड़ा से परिषद के गोविन्द प्रसाद जी सोडानी व गणेशराम जी काबरा भी शिविर में शामिल हुए। भा. वि. प. सेवा प्रन्यास दिल्ली के डॉ. विकास कुमार जी व टीम ने इन दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ पैर बनाकर लगाए।

पीड़ित मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं

तीन दिवसीय विशाल कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का शुभारंभ

भीलवाड़ा 6 जनवरी। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा एवं **कपासन** शाखा के संयुक्त तत्वावधान में अजय ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के सहयोग से सीता देवी काबरा सरगांव वाले की पुण्यतिथि पर नि:शुल्क दिव्यांग सहायता एवं कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन में स्थित रामलाल सोमाणी धर्मशाला में लगाया गया। शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाविप राजस्थान मध्य प्रांत के उपाध्यक्ष रामेश्वर जी काबरा ने कहा कि मानव कल्याण के लिए सदैव हमारे हाथ ऊपर उठते रहें। सेवा ही मनुष्य जीवन का सबसे बड़ा मेवा है। उपखण्ड अधिकारी जी विनोद भाई ने दिव्यांगजनो को हाथ पैर लगने के बाद मुस्कुराता देख प्रसन्नता जाहिर की। परिषद् के गोविंद प्रसाद जी सोडानी ने कहा कि परिषद् की ओर से भीलवाड़ा, राजसमन्द व आसपास के विभिन्न जिलों में 24 वर्षों से दिव्यांग सहायता शिविर लगाकर करीब 5 हजार लोगों को कृत्रिम हाथ पैर लगा नया जीवन दिया गया है। शिविर में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त भारत विकास फाउंडेशन दिल्ली के अनुभवी टेक्नीशियन डॉ. विकास कुमार जी, डॉ. आरएस राठौड़, जयवर्धन जी, अभय कुमार जी व टीम द्वारा दिव्यांगजनो को 4 कृत्रिम हाथ, 16 पैर हाथों हाथ तैयार कर लगाये गए। 2 ऑर्थो शूज, 8 श्रवण यंत्र, 11 कैलिपर, 11 बैसाखी , 8 स्टीक , 2 वॉकर भी वितरित किये गए। इस मौके पर गंगरार से आई दिव्यांग पुष्पा ने कहा कि **मैं आज पैर लगने के बाद अपना काम स्वंय कर पाऊंगी। बेहतर तरीके से खेती व अन्य कार्य कर सकूंगी।** एक अन्य दिव्यांग विनोद भाई डूगला ने **पैर लगने के बाद मोटरसाइकिल चलाकर दिखाई।** वह पिछले पांच सालों से कृत्रिम पैरों का प्रयोग कर रहा है और खेत में ट्रेक्टर भी चलाता है। हाथ लगे श्रवण कुमार ने भी खुशी जाहिर की। विवेकानन्द शाखा के अनिल जी गोयल, जिला संयोजक बालकिशन जी धुत व कपासन शाखा अध्यक्ष रोशनलाल जी विजयवर्गीय आदि ने भी विचार रखे।

कुर्सियाँ भेंट

भारत विकास परिषद् शाखा **भोजरास** द्वारा ग्राम भोजरास में चौराहे पर चार कुर्सियां भामाशाह श्रीमान् केडी मिश्रा साहब, श्रीमान् महावीर जी अजमेरा, श्रीमान् भूपेंद्र सिंह जी गहलोत, श्रीमान् फूलचंद जी जाट द्वारा भेंट दी गई।

ताजा हरी पत्तेदार सब्जियाँ नि:शुल्क वितरण

अजेयमेरु शाखा द्वारा सांसी बस्ती, बीपीएल क्वार्टर वार्ड 19, वार्ड नं 14 ढ़ोली बस्ती, आदर्श विद्या मंदिर बस्ती, वार्ड नं 58 झलकारी बाई सर्किल के पास ढ़ोली बस्ती, लुहार बस्तीयों में निवासरत 1000 से अधिक परिवारों को 3120 किलो हरी पत्तेदार ताजा सब्जियां जैसे- मैथी, पालक, टमाटर, फूल गोभी, मूली, हरा धनिया, पत्ता गोभी आदि वितरित की। शाखा सदस्यों ने बस्ती वासियों को जानकारी देते हुए कहा कि सभी

सब्जियों को साफ पानी से दो तीन बार धोकर उपभोग मे लेनी चाहिए साथ ही इनका सेवन भी अति आवश्यक है। शाखा कोषाध्यक्ष राजेन्द्र मंगल के अनुसार इस पुनीत कार्य मे ज्योत्सना जैन मित्तल, सुशील माधुरी कंदोई, हरीश पालीवाल, मनीष रेखा बंसल, अनुभव शर्मा, पार्षद भवानी सिंह जेथिया का सहयोग रहा। शाखा सचिव हनुमान गर्ग ने बताया की संस्था के सुशील गोयल, अशोक गर्ग, सुरेंद्र मित्तल ने भी सेवाएं दी। क्षेत्रवासी वार्ड सुपर वाइजर सुमित कुमार, पार्षद चंद्र शेखर व पार्षद प्रकाश मेहरा ने आभार प्रकट करते हुये कहा कि इस मँहगाई के दौर में भी भारत विकास परिषद् अजेयमेरु शाखा ने निर्धन परिवार के बारे में सोच विशेष सराहनीय कार्य किया।

एक टेम्पो हरी पत्तेदार ताजी सब्जियां वितरित

गरीब बस्ती में बांटी हरी सब्जियां

अजमेर, (कौशल जैन): भारत विकास परिषद अजयमेरू शाखा की ओर से वार्ड नं 58 झलकारी बाई सर्किल के पास ढोली बस्ती, लुहार बस्ती में निवासरत 220 से अधिक परिवारों को व गौशाला में एक टेम्पू 859 किलो हरी पत्तेदार ताज़ा सब्जियां निःशुल्क वितरित की गई। शाखा अध्यक्ष हरीश पालीवाल ने बताया कि 233 किलो पालक, 121 किलो फूल गोभी, 153 किलो मूली, 123 किलो टमाटर, 160 किलो मैथी, 69 किलो पत्ता गोभी अपने हाथों से वितरित कर सभी ने आनन्द की अनुभूति महसूस की। इन्ही सब्जियो में से लगभग 150 किलो सब्जियों को कांजी हाउस नगर निगम गौशाला में मास्टर कृतज्ञ, युग, निशी गोयल के हाथों से अर्पण करा उन्हें सेवाओं के लिये प्रेरित किया गया। कोषाध्यक्ष राजेन्द्र मंगल ने बताया कि इस पुनीत कार्य मे ज्योत्सना जैन मित्तल, पार्षद महेंद्र जैन मित्तल, धीरज गोयल, क्षेत्रीय पार्षद प्रकाश मेहरा, सुरेंद्र मित्तल का सहयोग रहा।

कोरोना वायरस - कोविड 19

भारत विकास परिषद्, **सुभाष भीलवाड़ा शाखा** के सदस्यों ने कोरोना वायरस जैसी माहमारी से बचाव हेतु 17 मार्च 2020 को सदर बाजार, महावीर मार्केट, बालाजी मार्केट, नेताजी सुभाष मार्केट, यू आई टी मार्केट,

स्टेशन रोड़ भीलवाड़ा में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर जाकर कोरोना से बचाव संबंधित पेंपलेट वितरित किये। पेम्पलेट में कोरोना से बचाव हेतु 'क्या करें व क्या नहीं करें' जानकारी दी गई। प्रतिष्ठान मालिक व ग्राहकों के हैंड सैनिटाइजर द्वारा हाथ साफ करवाये गए एवं उसके उपयोग से फायदा समझाया गया और कोरोना वायरस से बचाव के उपाय बताए गए।

शहर में विभिन्न जगह होर्डिंग भी लगाए गए।

विपदा की इस घड़ी में प्रांत की सभी शाखाएं प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग कर रही है। शाखाएं जहां रोगी वाहन का संचालन किया जाता है सभी ने अपना रोगी वाहन प्रशासन को सहयोग हेतु दिये हैं और किशनगढ़ व भीलवाड़ा शाखा द्वारा परिषद् भवन को आइसोलेशन वार्ड बनाने हेतु प्रशासन से आग्रह किया। शाखाओं द्वारा अपने क्षेत्र में सहयोग हेतु भोजन वितरण और सहयोग राशि एकत्रित करने के समाचार भी प्राप्त हुए।

प्रोटो कॉल

विशेष सभाओं तथा अन्य सभाओं में प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान दें –

1. मंच पर केवल वही व्यक्ति आसीन हो जिनका मंच से कोई दायित्व है, मंच बहुत लम्बा न बनायें। 2. मंच पर सभा में उपस्थित सर्वोच्च केन्द्रीय, रीजनल तथा प्रान्तीय पदाधिकारी निश्चित रूप से मंचासीन होना चाहिए। अन्य दायित्वधारी केवल किसी दायित्व निर्वाह हेतु ही मंचासीन हों अन्यथा सबसे आगे की पंक्ति में ससम्मान बैठाये जायें तथा उनका सभा से परिचय करा देना चाहिए। 3. यदि किसी शाखा में राष्ट्रीय, रीजन व प्रान्तीय दायित्वधारी सदस्य हैं तो मंच पर क्रमश: राष्ट्रीय, रीजन व प्रान्त का एक-एक दायित्वधारी को वरिष्टता के आधार पर बैठाया जायें। 4. यदि शाखा में एक से अधिक प्रान्तीय दायित्वधारी हैं तो मंचासिन हेतु यदि सम्भव हो तो सभी को बैठाया जाये अथवा वरिष्ठ प्रान्तीय दायित्वधारी मंच पर बैठे व अन्य दायित्वधारी को प्रथम पंक्ति में बैठाकर उचित सम्मान देना चाहिए। 5. महिला कार्यकर्ता को प्रोत्साहित करने हेतु महिला प्रमुख को मंच यथोचित सम्मान या अग्रिम पंक्ति में सम्मान मिले। 6. किसी प्रकल्प सम्बन्धी कार्यक्रम में शाखा तथा प्रान्त के उस प्रकल्प के प्रभारी को भी मंच पर बैठाना चाहिए। मंच पर बैठकर व्यवस्था हेतु नियमों एवं सिद्वान्तो के साथ-साथ व्यवहारिकता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। 7. सभा की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष, उपस्थित सर्वोच्च प्रान्तीय, रीजनल अथवा केन्द्रीय पदाधिकारी द्वारा होना चाहिए। परिषद् से बाहर के व्यक्ति मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता या विशिष्ट अतिथि आदि हो सकते हैं। **8. मंच सज्जा करते समय सबसे छोटे पद वाले अधिकारी को सर्व प्रथम मंचासीन करायें। इसी क्रम में मुख्य अतिथि अथवा उच्चतम अधिकारी का नाम सबसे अंत में पुकारा जाना चाहिये। 9. सम्मान करते समय यह क्रम उलट जाना चाहिये। सर्वोच्च पदाधिकारी या मुख्य अतिथि का सम्मान सर्वप्रथम एवं अन्यों का इसी क्रम में होना चाहिए।** 10. परिषद् परिवार के सदस्यों का सम्मान तिलक व उपर्णा से किया जाये। किसी भी प्रकार का उपहार या मोमेंटो देने की प्रथा से बचना चाहिए। उपहार या मोमेंटो बाहर से पधारे व्यक्ति, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता या विशिष्ट अतिथि को अवश्य देवें। 11. इस बात का विशेष ध्यान रखें कि मंच पर भारत माता व स्वामी विवेकानन्द के चित्र साफ हो और यथासम्भव केन्द्र द्वारा निर्धारित चित्रों का ही प्रयोग किया जाये। कार्यक्रम में भारत माता का चित्र दायी तरफ एवं स्वामी विवेकानन्द का चित्र बायी तरफ हो और चित्र पर माल्यार्पण पूर्व में ही किया जाना चाहिए। अतिथियों द्वारा तिलक एवं दीप प्रज्वलन ही किया जायें। 12. कार्यक्रम संचालन का पूर्ण विवरण पूर्व में ही बना लेवें और इस बात का विशेष ध्यान रखें की मुख्य वक्ता/अतिथि को जो विषय दिया गया है, उस विषय पर उनसे पूर्व वक्ता या तो ना बोले अथवा संक्षिप्त में बोले। जिससे मुख्य वक्ता को अपनी बात कहने का उचित सम्मान मिले। 13. जिस कार्यक्रम में परिषद् से बाहर के अतिथि उपस्थित हों उस कार्यक्रम में 5 मिनट के समय में परिषद् सम्बन्धी जानकारी ऐसे व्यक्ति से दिलायें जिसको परिषद् सम्बन्धी समुचित ज्ञान हो एवं जो प्रभावी वक्ता हों। 14. मंच पर दीप प्रज्वलन कि सम्पूर्ण व्यवस्था एवं सामग्री हो, इसके लिये आवश्यक है कि शाखा सचिव अपना एक किट तैयार कर लेवें, जिसमें भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र, दीपक-बाती, अगरबत्ती, कपूर, मोमबत्ती, कुमकुम, माचिस, उपर्णा इत्यादि सामग्री अवश्य हो।

15. समय का विशेष ध्यान रखें। निश्चित समय से बिना किसी की प्रतीक्षा किये कार्यक्रम प्रारम्भ कर दें। कार्यक्रम के बीच में किसी भी व्यक्ति को मंचासीन कराने के लिए चल रहे कार्यक्रम/भाषण को न रोकें बल्कि कार्यक्रम समाप्त होने पर विलम्ब से आये अतिथि को मंचासीन कराकर उनका स्वागत करें। 16. परिषद् की बैठक एवं प्रत्येक कार्यक्रम में आवश्यक है कि शाखा सदस्य लेबिल पिन अवश्य लगाकर आयें। यदि शाखा/प्रान्त/रीजन द्वारा परिचय पत्र दिए गए हो तो सदस्यों को परिचय पत्र (बेच) पहनकर आना चाहिए।

मुकनसिंह राठौड़
राष्ट्रीय मंत्री - 9414111530

वित्तीय प्रबन्ध

किसी भी शाखा के कार्यों की विश्वसनीयता, प्रभावशीलता और पारदर्शिता, समय-समय पर सदस्यों को कोष व्यवस्था की जानकारी एवं वर्ष भर के क्रिया कलापों के पश्चात् लेखों के उचित प्रस्तुतिकरण पर निर्भर करती है। शाखा में सामान्यत: कोष सदस्यों से फीस, सहयोग और अन्य व्यक्तियों से सहयोग या दान के रूप में मिलती है और शाखा का दायित्व है कि उस राशि को संस्कार, सेवा जैसे प्रकल्पों पर निर्धारित रूप में व्यय करें। शाखा की अपने सदस्यों और सहयोगकर्ता के प्रति वित्तीय प्रबन्ध की जवाबदेही होनी चाहिए।

<u>वित्तीय प्रबन्ध के सम्बन्ध में आवश्यक सावधानियां -</u>

☛ शाखा अपने सदस्य से वार्षिक सदस्यता शुल्क प्राप्त करेगी। जिसका निर्धारण शाखा अपनी परिस्थितियों और आवश्यकता के अनुसार करेगी। कोषाध्यक्ष को शाखा सदस्यों से 10-15 अप्रैल तक सदस्यता शुल्क अथवा नवीनीकरण शुल्क संग्रहित कर लेना चाहिए।

☛ यदि सदस्य के प्रवेश के समय प्रवेश शुल्क लिया जाता है तो उसे शाखा के दिन प्रतिदिन के आवर्ती व्ययों में प्रयोग न किया जाए, इस धनराशि से शाखा का पूंजीगत कोष बनाना चाहिये और पूंजीगत कार्यों में ही इसका प्रयोग किया जाना चाहिए।

☛ प्रान्तीय अंशदान 500/-रू. प्रति सदस्य के हिसाब से, सदस्य सूची सहित प्रान्तीय कार्यालय में 30 अप्रैल तक जमा करवाना चाहिए। यदि प्रान्तीय अंशदान प्रांत के खाते में सीधे जमा करवाया हो तो प्रान्तीय कोषाध्यक्ष को जमा करवाने की सूचना अवश्य देंवे। **वर्ष 2020-21 से सदस्य शुल्क 500/-रू. प्रति सदस्य न्यूनतम रहेगा,** जिसमें से 250/-रू. केंद्रीय अंशदान एवं 250/-रू. प्रांतीय अंशदान के रूप में रहेगा। सदस्यता शुल्क प्रति 4 वर्ष में बढ़ेगा। ☛ शाखाओं को मुख्यत: Cash Book, Bank Book, Voucher File, Receipt Book, Journal आदि पुस्तको को रखना अनिवार्य है। ☛ शाखा के बैंक खाते का संचालन शाखा कोषाध्यक्ष के साथ अध्यक्ष अथवा सचिव के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जाना चाहिए। ☛ बैंक खाते में केन्द्र के पैन का उपयोग नहीं करना चाहिए। ☛ शाखायें AOP (Association of Person) के रूप में अपना पैन कार्ड आयकर विभाग से लेना चाहिए। बैंक खाते में KYC norms को पूरा करने हेतु PAN Card अनिवार्य कर दिया गया है। ☛ AOP का प्रारूप प्रान्तीय वेबसाइट/केन्द्रीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। शाखायें प्रारूप का उपयोग कर अपना AOP प्रारूप बनाये और प्रान्त को अनुमोदन हेतु भेजें। प्रान्तीय अनुमोदन के बाद पैन कार्ड लिया जा सकता है। ☛ शाखायें सदस्यता शुल्क को ही बैंक में जमा करवाये। अन्य सहयोग राशि अथवा दान राशि को शाखा ट्रस्ट के माध्यम से ही प्रयोग करें।

☛ यदि शाखा के पास अपना ट्रस्ट नहीं है तो प्रान्तीय ट्रस्ट के माध्यम से सहयोग राशि जमा करवा कर प्रयोग कर सकते हैं। ☛ शाखायें अपनी ट्रस्ट को 80 जी और 12 ए में पंजीयन कराने पर शाखाओं द्वारा प्राप्त सहयोग राशि कर मुक्त होगी। ☛ ट्रस्ट के अलावा सहयोग/दान राशि आयकर के प्रावधानों के अनुसार कर योग्य राशि मानी जाती है, जिस पर आयकर अधिनियम की धारा 167बी के अनुसार 30.9% दर से कर लगता है। ☛ बैंक खाता खोलने के पश्चात् भी दिन-प्रतिदिन के फुटकर खर्चों कि व्यवस्था के लिए एक निशिचित एवं औचित्यपूर्ण धनराशि नकदी में रखने का अधिकार सचिव को देना आवश्यक है। इस अधिकार की राशि शाखा के स्तर एवं कोषों के सन्दर्भ में शाखा की सामान्य सभा अथवा कार्यकारिणी द्वारा निर्धारित की जा सकती है। ☛ परिषद् की नियमावली में उल्लिखित नियमों के अनुसार शाखायें परियोजनाओं के लिये प्राप्त राशि का प्रयोग प्रशासनिक एवं सामान्य व्ययों के रूप में नहीं कर सकती है।

☛ गत वर्षों के अनुभवों और सदस्यों के सुझावों से शाखा के कोषाध्यक्ष प्रत्येक प्रकल्प और कार्यक्रमों का बजट तैयार करें और कार्यक्रम के पुरा होने के बाद खर्चों की समीक्षा अवश्य करे। ☛ कोष प्राप्ति व्यवस्था को मानक रखने के लिए प्रत्येक शाखा को रसीद छपवानी चाहिए। इसमें जहाँ एक ओर लेखा व्यवस्था में सुविधा रहती है, वहीं दूसरी ओर भूगतान करने वाले को मनोवैज्ञानिक संतुष्टि मिलती है। रसीद से लेखों का प्रमाणन भी सरल और सुविधाजनक हो जाता है। ☛ एक ही व्यक्ति से 2000/- रू. से ज्यादा नकद में दान का भुगतान धारा 80जी की छूट के लिये योग्य नहीं रहता। अत: शाखायें एक व्यक्ति से नकद में दान राशी 2000/- रू. से ज्यादा स्वीकार न करें। ☛ खर्च के सन्दर्भ में परिषद् की नियमावली के नियम 8 (iii) में यह स्पष्ट व्यवस्था की गई है कि शाखा स्तर पर 3000/- रू. से अधिक बिल का भुगतान चैक द्वारा किया जायेगा। इस प्रकार 3000/- रू. से कम धनराशि के बिलों का भुगतान नकदी में किया जा सकता है लेकिन इस स्थिति में भी कोषाध्यक्ष यह देख लेवें कि बिल पर अध्यक्ष या सचिव में से किसी एक के संस्तुति हस्ताक्षर अवश्य होंवे। शाखायें किसी भी खर्च के एक ही बिल का भुगतान 10,000/- रू. से ज्यादा नकद में न करें। आयकर अधिनियम के अनुसार 10,000/- रू. से ज्यादा नकद भुगतान अस्वीकार्य है, जिसे शाखा की आय में जोड़कर आयकर देय होगा।

☛ बजट के प्रावधानों के अनुसार शाखाओं द्वारा निम्न भुगतान करने पर टीडीएस काटना अनिवार्य है-

1. ब्याज का भुगतान 5000 रू. से अधिक - 10% 2. Contract का भुगतान (Rs. 30,000/- per Contract or Rs.1,00,000 Per Year) – 2% for companies and 1% for Other than Company.
3. किराया 1,80,000 रू. से अधिक पर - 10% 4. प्रोफेशनल फीस 30,000 रू. से अधिक पर 10%
5. पैन न होने पर - 20% TDS.

☛ यदि टीडीएस के बिना खर्चों का 30% भाग आयकर द्वारा अस्वीकृत कर दिया जाता है, और उस राशि पर आयकर लगेगा। ☛ शाखायें Income-Expenditure A/c, Receipt-Payment A/c and Balance Sheet की ऑडिट करवा कर **31 मई** तक प्रान्तीय कोषाध्यक्ष/कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करवाएं। ☛ वर्ष 2020-21 से शाखाओं को अपने अकाउंट्स पूर्ण रखने होंगे। प्रांत स्तर पर सभी शाखाओं के खाते मर्ज कर के वित्तीय स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। अत: प्रत्येक शाखा को अब निर्धारित प्रारूप में बैलेंस शीट एवं इनकम एक्सपेंडिचर बनाना होगा। ☛ शाखायें प्रान्तीय वेबसाइट/केन्द्रीय वेबसाइट पर उपलब्ध Income-Expenditure A/c, Receipt-Payment A/c and Balance Sheet के निर्धारित प्रारूप में ही बनायें और सीए से अंकेक्षण (Audit) करवाना चाहिये। छोटी या ग्रामीण शाखायें, शाखा संरक्षक से भी अंकेक्षण करवा सकती है। ☛ शाखा ने अपना पैन कार्ड लिया है तो शाखा को अपना आयकर रिर्टन 31 जुलाई तक भरना होगा अन्यथा 5000 रू. पेनल्टी लगेगी और दिसम्बर माह के बाद रिर्टन भरने पर 10000 रू. पेनल्टी लगेगी। ☛ शाखा को अपने अकाउंट्स मासिक बैठक में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। प्रांतीय, रीजनल और राष्ट्रीय दायित्वधारीयों के शाखा प्रवास के समय शाखा की मीटिंग के रजिस्टर व बही खाते अनिवार्य देखेंगे। ☛ यदि शाखा के दायित्वधारी Income-Expenditure A/c, Receipt-Payment A/c and Balance Sheet प्रान्तीय कार्यालय में जमा नहीं करवाते हैं, तो वे दायित्वधारी भविष्य में परिषद् के किसी भी दायित्व पर चयनित नहीं किये जायेगें। ☛ वित्तीय अनियमिता पाये जाने पर प्रान्तीय दायित्वधारी व शाखा की Core-Committee अपने निर्णय से शाखा के दायित्व से ऐसे दायित्वधारी को दायित्व मुक्त कर सकते हैं।

सुधीर व्यास
प्रान्तीय वित्त सचिव
9414982126

अभिलेख व्यवस्था

राष्ट्रीय परिषद् बैठक वाराणसी में केन्द्रीय नैतृत्व एवं विभिन्न दायित्वधारियों द्वारा शाखाओं की अभिलेख व्यवस्था पर गहन चिन्तन किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यों की सूचना के समरूपता हेतु केंद्रीय सदस्य सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जिसमें सदस्यों के नाम पता व मोबाईल नं. सहित संपूर्ण विवरण होगा। शाखा के सचिव को केंद्रीय सदस्य सॉफ्टवेयर में सदस्यों की पूर्ण प्रविष्टि करनी होगी व अध्यक्ष द्वारा उसे अधिकृत किया जाएगा। नीति का वितरण सदस्यों को इन्हीं प्रविष्टियों के आधार पर होगा।

राजस्थान मध्य प्रान्त की प्रान्तीय वेबसाईट www.bvprajcentral.org पर पूर्व में शाखाओं द्वारा सदस्यता की प्रविष्टि की जा रही थी। अभी इस प्रारूप को भी केन्द्रीय प्रारूप के अनुसार बना दिया गया है। अत: सभी शाखा सचिव नवीन प्रारूप में सदस्यों के सही विवरण के साथ प्रविष्टि करे जिससे सदस्यों के पास नीति पहुँच सके।

शाखा को सुचारू रूप से संचालन तथा प्रान्तीय स्तर पर निरीक्षण की दृष्टि से निम्न रिकार्ड व्यवस्थित रूप में रखा जाना वांछनीय है:-

1. **सदस्यता रजिस्टर:**- इनमें सभी सदस्यों के दम्पति के रूच में नाम, पूर्ण पता, दूरभाष नं. इत्यादी हो। यदि नवीन सदस्य है तो सदस्यता ग्रहण की तिथि का उल्लेख रहना चाहिए। यदि कोई सदस्य अपनी सदस्यता जारी नहीं रखना चाहता हैं तो उससे लिखित में आवेदन पत्र लेना चाहिए और कार्यकारिणी में उसे प्रस्तुत कर निर्णय लिया जाना चाहिए। यह रजिस्टर प्रान्तीय वेबसाईट से सदस्यता सूची व विवरण का प्रिन्ट निकालकर फाईल के प्रारूप में भी रखा जा सकता है। 2. **सूक्ष्म रजिस्टर:**- प्रत्येक शाखा को कार्यकारिणी सभा एवं सदस्यों कर सामान्य सभा के सूक्ष्म का रजिस्टर (Minute Book) अनिवार्य रूप में रखना चाहिए। इससे निर्णयों को लिखित रूप में रखने की व्यवस्था बनती है और शाखा के संचालन को उन निर्णयों के सन्दर्भ में नियमबद्ध बनाये रखा जा सकता है। सूक्ष्म रजिस्टर में सभा में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर अवश्य होने चाहिए तथा प्रत्येक सभा के सूक्ष्म की सम्पुष्टि अगली सभा में अवश्य कराई जानी चाहिए। सार्वजनिक कार्यक्रमों की कार्यवाही को सूक्ष्म रजिस्टर में नहीं लिखा जाता। प्रांतीय, रीजनल और राष्ट्रीय दायित्वधारीयो के शाखा प्रवास के समय शाखा के सूक्ष्म का रजिस्टर (Minute Book) देखेंगे। 3. **कार्य संचालन अभिलेख:**- इस रजिस्टर में शाखा का कार्य संचालन माहवार एवं तिथिवार लिपिबद्ध किया जाना चाहिए। जिनमें शाखा द्वारा किया गया प्रत्येक आयोजन, लिये गये प्रत्येक निर्णय एवं चलाई गई प्रत्येक परियोजना का उल्लेख होना चाहिये। इसे वर्ष के अन्त में 'Branch at a glance' कहा जा सकता है।

4. **स्टॉक रजिस्टर:**- प्रत्येक शाखा को एक स्टॉक रजिस्टर रखना चाहिए जिसमें सभी स्थाई सम्पतियों (भवन, फर्नीचर, साज-सामान) एवं कार्य संचालन में निरंतर कार्य आनेवाली गैर उपभोग्य वस्तुओं (चार्टर, लाउड स्पीकर, मूर्ति, बैनर, दीपक, क्रॉकरी, स्मृति चिन्ह इत्यादी) का स्टॉक रहना चाहिए। यह रजिस्टर प्रत्येक वर्ष नवीन पदाधिकारीयों को कार्यभार सौंपते समय हस्तान्तरणीय रहेगा। 5. सदस्यता फार्मों की फाइल।

6. पत्र व्यवहार की फाइल 7. केन्द्र, क्षेत्र एवं प्रान्त से प्राप्त परिपत्रों की फाइल

8. **रोकड़ पुस्तक, बैंक की चैक बुक, तथा पास बुक (यह तीनों रिकार्ड कोषाध्यक्ष के पास रहने चाहिये)**

9. शाखा की आयकर रिर्टन फाइल 10. विभिन्न परियोजनाओं की फाइलें।

आने वाले पदाधिकारी को निवर्तमान पदाधिकारी द्वारा सौंपना और प्रभार लेना -

1. निवर्तमान पदाधिकारी सभी अभिलेखों को आने वाला पदाधिकारी को 1 अप्रैल से सकारात्मक रूप से सौंपना होगा। 2. निवर्तमान अध्यक्ष सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे की शाखा के सभी रिकॉर्ड और खाते पूरी तरह से आने वाले पदाधिकारी को सौंप दिए जाते हैं। 3. भारत विकास परिषद नियमन 11 के अनुसार, संब) सदस्य (AOP) या शाखा के खाते को ऑडिट करवाना होगा और लेखा परीक्षितों की प्रति प्रांतीय वित्त सचिव को प्रस्तुत की जाएगी । निवर्तमान पदाधिकारी खातों की ऑडिट कराने में हर मदद के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। ऑडिट के दौरान पाई गई किसी भी विसंगति, अनियमितता और अपस्फीति के मामले में, किसी भी नुकसान के लिए निवर्तमान पदाधिकारी पूरी तरह से उत्तरदायी होंगे।

4. यदि निवर्तमान पदाधिकारी को निर्धारित समय में नए पदाधिकारी को अभिलेखों और बही खातों को सौंपने में कोई कठिनाई होती है तो उन्हें इसे लिखित रूप में आने वाले अध्यक्ष के ध्यान में लाना चाहिए और 15 दिनों की अवधि तक विस्तार प्राप्त करना चाहिए। 5. यदि कोई सदस्य कार्यभार नहीं सौंपने का दोषी पाया जाता है तो वह भारत विकास परिषद के किसी भी स्तर पर एक पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित होने के योग्य नहीं होगा।

कार्यकारिणी बैठक – 1. कार्यकारिणी बैठक मास में एक बार अवश्य होनी चाहिए और बैठक की सूचना 5 दिवस पूर्व कार्यकारिणी सदस्यों को अवश्य भेजें। बैठक के लिए मास में प्रथम सप्ताह को निश्चित कर लिया जाए तो ज्यादा अच्छा रहता है। 2. बैठक की सूचना पत्र या संदेश में बैठक की कार्य सूची (ऐजेन्ड़ा) लिखना अनिवार्य है। 3. बैठक में अधिकतम उपस्थिति के लिये सचिव पत्र/मोबाइल/दूरभाष/वाट्सअप एवं संदेश के माध्यम से सम्पर्क करें। 4. बैठक में समयबद्धता का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए।

5. सचिव को बैनर, कार्यवाही रजिस्टर, प्रान्त एवं केन्द्र से आए पत्रक साथ में अवश्य लायें।

कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही के संचालन की रूपरेखा – 1. वन्देमातरम् 2. रजिस्टर में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर 3. पिछली कार्यवाही का अनुमोदन 4. कार्यसूची के अनुसार बैठक का संचालन (व्यर्थ की बातचीत एवं भटकाव से बचाव आवश्यक) 5. प्रान्त/केन्द्र से आए पत्रों पर विचार-विमर्श 6. अग्रिम कार्यक्रम की योजना और दायित्व सौंपना 7. अन्य शाखा अध्यक्ष की अनुमति से 8. राष्ट्रगान

शाखा की टीम द्वारा दायित्व ग्रहण करने के पश्चात कार्यकारिणी की दो या तीन बैठकें बहुत अधिक महत्वपूर्ण होती हैं। इन बैठकों में निम्न योजनाओं की रूपरेखा बना लेनी चाहिए :-

1. शाखा की सदस्य संख्या पर विचार 2. वर्ष के प्रारम्भ अर्थात अप्रैल मास में ही सम्पूर्ण सदस्यों से वार्षिक शुल्क एकत्रित कर लें। 3. वर्ष के प्रारम्भ में ही शाखा अध्यक्ष एवं सचिव को चाहिए कि कार्यकारिणी की एक स्वतंत्रा बैठक बुलाएं, जिसमें वर्ष भर के सम्पूर्ण कार्यक्रमों की योजना बनाई जा सके। 4. वर्ष भर के प्रकल्पों पर खर्च होने वाले अनुमानित व्यय की रूपरेखा बनाएं। 5. कार्यकारिणी की प्रथम बैठक में ही शाखा के पूर्व कोषाध्यक्ष द्वारा ऑडिट की हुई लेखा-जोखा की रिपोर्ट प्रस्तुत कर देनी चाहिए।

सामान्य बैठक की आवश्यकता-

सामान्य बैठक का उद्देश्य है कि परिषद् के सामान्य सदस्यों द्वारा एकत्रित होकर, परिषद् द्वारा किये जाने वाले आगामी कार्यक्रमों/प्रकल्पों पर विचार करना। इसके लिए मास में एक सामान्य बैठक का होना आवश्यक है। सम्पर्क परिषद् का महत्वपूर्ण सूत्र है। आम सदस्य से सम्पर्क के अभाव में हम यह भी नहीं जान पाते कि यह हमारा सदस्य है। इसलिए सदस्यों को परिषद् से जोड़ने के लिए ऐसी बैठक अवश्य होनी चाहिए।

बैठक में अधिकतम उपस्थिति के लिये सचिव पत्र/मोबाइल/दूरभाष/वाट्सअप एवं संदेश के माध्यम से सम्पर्क करें और 5-7 सदस्यों की टोली बनाते हुए सदस्यों में एक दूसरे से सम्पर्क कर बैठक में सदस्य संख्या को बढाया जा सकता है। बैठक में महिला सदस्यों की संख्या सुनिश्चित करने के लिये शाखा महिला प्रमुख को अधिकृत करे।

सामान्य बैठक के कार्यक्रमों के विषय में भी सन्दिग्धता बनी रहती है। बैठक में निम्न कार्यक्रम हो सकते हैं-

1. कार्यकारिणी द्वारा पारित कार्यवाही को पढ़ा जाना व अनुमोदन करना। 2. अग्रिम मास में होने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श। 3. कार्यक्रम के अनुसार सामान्य सदस्य को उत्तरदायित्व सौंपना। कार्यकारिणी के सदस्य/प्रकल्प संयोजक के साथ तीन/चार सदस्यों को जोड़ना चाहिए। 4. प्रान्त/केन्द्र से आये पत्रों पर विचार-विमर्श। 5. बैठक में आयोजित कार्यक्रम के संबंधित आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए और प्रस्तावित कार्यक्रमों के बजट को भी सदन के पटल पर रखा जाना चाहिये। 6. सत्र की प्रथम मासिक बैठक में ही शाखा की ऑडिट हुई लेखा-जोखा की रिपोर्ट प्रस्तुत कर सदन से अनुमोदन करवाना चाहिए। तत्पश्चात ऑडिटेड रिपोर्ट प्रान्त को प्रेषित की जानी चाहिये। 7. किसी भी सामयिक विषय पर आमंत्रित वक्ता के वक्तव्य पर प्रश्नों-प्रतिप्रश्नों के द्वारा विचार-विमर्श, संगोष्ठी करना आदि।

सुभाष जैन
प्रान्तीय संगठन मंत्री
9214414121

प्रान्त स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता पर मंचस्थ अतिथि व विजेता प्रतिभागी

गुलाबपुरा शाखा द्वारा उनी वस्त्रों का वितरण

बिजयनगर शाखा द्वारा उनी वस्त्रों का वितरण

स्वामी विवेकानन्द शाखा द्वारा
कपासन में दिव्यांग सहायता शिविर

सुभाष शाखा द्वारा रक्तदान शिविर

राष्ट्रीय भारत को जानो
में तृतीय स्थान किशनगढ़ शाखा

नवसंवत्सर पर्व रायपुर शाखा

नव संवत्सर पर सदस्यों द्वारा रंगोली व दीपदान